

पल भर में आने वाली मैं क्यों देर लगाई मेरी मैं देर लगाई  
तेरे बिना न दूजा करे कौन सुनाई मेरी मैं मेरी सुनाई ॥२॥

① जब तू न सुनेगी मेरी मैं कौन सुनेगा ॥२॥  
खींच मेरे दिल के ताने बाने मैं फिर कौन बुनेगा ॥२॥  
तुमको ही मैंने माना मैं दू किसकी दुहाई ॥२॥ मेरी  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -

② अपना बनाले पहले फिर ये देले हैं धोखा ॥२॥  
खींच किस पर करे यकीन यहां आंखों ने देखा ॥२॥  
इक तेरा है सहारा दुनियां स्वप्न सी भाई ॥२॥  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -

③ अब सांस लेना मुश्किल दम मेरा घुट रहा ॥२॥  
खींच रह रहे दर्द दिल में, आज मेरे उठ रहा ॥२॥  
हालात ऐसे हो गये, गम की घटा दौड़ा ॥२॥  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -

④ दुनियां बड़ी निशानी मुझे रास न आई ॥२॥  
खींच मैंने तो हर काम पे, यहां चोट ही खाई ॥२॥  
ऐसे में हाथ थाम लो, भर आई खरबाई ॥२॥  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -



५) यहाँ भाई भाई दुश्मन ये देखने मिला <sup>sssss</sup>  
खींच मन में भरी है शंका, उर दिल में है गिला <sup>sssss</sup> उर दिल में  
कर दो दया की दृष्टी <sup>sssss</sup> है सबकी भलाई <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup>  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -  
सबकी भलाई

६) बस एक ही भरोसा, मुझे तेरे नाम का <sup>sssss</sup>  
खींच ममता भरा दुलार दे, जो मेरे काम का <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup> मेरे  
दिल में वसी सुन्दर दबि, जो तुमने दिखाई <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup>  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -  
काम का  
तुमने दिखाई

७) इंसान को इंसान से <sup>sssss</sup> प्रीत नहीं है <sup>sssss</sup>  
खींच जीवन मिला है जीने को, पर रीत नहीं है <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup> रीत  
कहते "श्री बाबा श्री" <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup> क्या लीला रचाई <sup>sssss</sup> मेरी <sup>sssss</sup>  
तेरे बिना न - - - - - पल भर में - - - - -  
लीला रचाई